an>

Title: Need to provide safe drinking water to workers engaged in tea plantation in Assam.

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): सभापति महोदय, यह मेरा सौभाग्य है कि आज आप यहां बैठे हैं। जब मैंने पहली बार शपथ ग्रहण की थी, उस वक्त भी आप सभापति के रूप में यहां बैठे थे। मुझे लगता है कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं आज आपके सामने जीरो आवर में एक बहुत महत्वपूर्ण बात कहना चाहता हूं। पीने के पानी का राष्ट्रीय ग्रामीण प्रोग्राम भारत के गांवों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस प्रोग्राम में अलग नियम, कैटेगरीज, क्राइटेरिया हैं। जैसे ग्रामीण क्षेत्र के लिए 60 प्रतिशत का क्राइटेरिया है। केन्द्र सरकार राज्यों को जो राशि देती है, वह क्राइटेरिया उसमें रिफ्लैक्ट होता है। ग्रामीण क्षेत्र के अलावा और भी क्राइटेरिया हैं जैसें शैडयूल्ड कास्ट्स, शैडयूल्ड ट्राइब्स के लिए अलग क्राइटेरिया है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र में पीने का पानी बहुत ही महत्वपूर्ण समस्या है। असम और वैस्ट बंगाल में ऐसे बहुत से निजी चाय के बागान हैं जहां लाखों श्रमिक काम करते हैं। असम में लगभग साढ़े तीन लाख और वैस्ट बंगाल में लगभग दस लाख चाय बागान श्रमिक हैं। इन चाय बागान श्रमिकों की मूल समस्या पीने का पानी है। जब चुनाव आया, मोदी चाय का नारा लगा था तब असम के तचाय बागान के बहुत से श्रमिकों ने इस सरकार को अपना समर्थन दिया। अब नारे का समय खत्म और काम करने का समय शुरू होता है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि चाय बागान वर्कर्स के लिए केन्द्र सरकार की स्कीम्स जैसे नैशनल रूरल ड्रिंकिंग वाटर प्रोग्राम, नैशनल रूरल हैल्थ मिशन और मनरेगा में एक स्पेशल क्राइटीरिया बनाया जाये। इससे चाय बागान श्रमिकों के जीवन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण परिवर्तन आयेगा। भारत के स्वाधीन होने के 67 वर्षों बाद भी ये लोग बहुत ही दयनीय हालत में रहते हैं। उनकी दशा देखकर हम सबकी आंखें भर आती हैं। इसलिए हमें उनकी मूल समस्या पीने के पानी पर काम करना चाहिए और एक स्पेशल क्राइटीरिया बनाना चाहिए। यह मेरी आपके माध्यम से सरकार से दरख्वास्त है।

HON. CHAIRPERSON :

Kumari Sushmita Dev and

Shri Radhey Shyam Biswas are allowed to associate with the matter raised by Shri Gaurav Gogoi.